लखनऊ बनेगा मॉडल, महिलाओं के लिए सेफ जोन होंगे औद्योगिक क्षेत्र

पहली बार किसी औद्योगिक क्षेत्र में पक्षियों के लिए शेल्टर होम बनेंगे

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के औद्योगिक इलाकों को महिलाओं के लिए 'सेफ जोन' के रूप में तब्दील किया जा रहा है ताकि बिना किसी डर के महिलाएं अपने उद्यमिता के ख्वाब को साकार कर सकें। इसके तहत औद्योगिक क्षेत्रों में एलईडी सेंसर आधारित सिस्टम लगाए जाएंगे।

डिस्प्ले बोर्ड के साथ क्यू आर कोड हर 30 मीटर पर रहेंगे। इन्हें स्कैन करके 'डार्क स्पॉट' की मौके से ही रिपोर्ट की जा सकेगी। सेंसर लाइट्स लगाई जाएंगी। हर क्षेत्र को सीसीटीवी (क्लोज सर्किट टीवी) कैमरों की जद में लाया जा रहा है।

औद्योगिक इलाकों में ही क्रैच बनाया जाएगा ताकि महिला उद्यमी अपने बच्चे को भी पूरा ध्यान रख सके। शुरुआत लखनऊ औद्योगिक क्षेत्र से की गई है, जिसे मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल और कमांड सेंटर तैयार किया जाएगा। ये जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) को सौंपी गई है।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस वे की तरह लखनऊ को औद्योगिक विकास के नए मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। इस दिशा में अमौसी औद्योगिक क्षेत्र का अटल औद्योगिक अवसंरचना मिशन के तहत आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकास किया जाएगा। अमौसी औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना 20 वर्ष पहले वर्ष 2004-05 में की गई थी।

इस क्षेत्र की औद्योगिक संरचना को आधुनिक बनाने और सुधारने पर 53.11 करोड़ खर्च किए जाएंगे। निर्माण के साथ सर्विस क्षेत्र पर भी फोकस ज्यादा किया गया है। इसमें 'सेफ वेंडिंग जोन' बनाए जाएंगे। लगभग 4.23 किलोमीटर सड़कों को अपग्रेड किया जाएगा।

जल प्रबंधन और जल संचयन के लिए सड़कों के किनारे 7 पुलिया, 2.8 किलोमीटर जल निकासी लाइनें और 98 डिसिल्टिंग चैंबर का निर्माण किया जाएगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ईवी चार्जिंग सेंटर बनाए जाएंगे। यात्रियों और कार्यबल की सुविधा के लिए बस शेल्टर, पक्षियों के आश्रय के लिए बर्ड शेल्टर बनेंगे। 73 हजार वर्गमीटर के क्षेत्र को ग्रीन एरिया के तहत घास से आच्छादित किया जाएगा।

सीएम योगी के नेतृत्व और निर्देशों के तहत यूपीसीडा प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ावा दे रहा है। सीएम की मंशा के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक औद्योगिक क्षेत्र को महिलाओं के लिए सेफ जोन के रूप में विकसित किया जाएगा। औद्योगिक क्षेत्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने से उनकी प्रति व्यक्ति औद्योगिक उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। – **मयूर माहेश्वरी**, सीईओ, यूपीसीडा